सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-357
25/08/2016

बाढ़ राहत शिविरों का मुख्यमंत्री ने किया निरीक्षण

पटना, 25 अगस्त 2016 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज बिहटा, मनेर से लेकर अथमलगोला तक के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों एवं बाढ़ पीड़ितों के लिये बनाये गये विभिन्न बाढ़ राहत शिविरों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने बिहटा, मनेर, दानापुर, दीदारगंज, बख्तियारपुर, अथमलगोला में राहत कैम्पों का किया निरीक्षण। निरीक्षण के क्रम में राहत शिविर में लोगों के लिये बनाये जा रहे भोजन, उनको दी जा रही स्वास्थ्य एवं अन्य सुविधाओं तथा बच्चों को दी जा रही सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा उपस्थित अधिकारियों को बाढ़ राहत कार्य में तेजी लाने के लिये आवश्यक निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने सबसे पहले मनेर के उच्च माध्यमिक विद्यालय में लगाये गये बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण किया। बाढ़ राहत शिविर में लोगों के लिये बनाये जा रहे भोजन का मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया। साथ ही बाढ़ राहत केन्द्र में लोगों के लिये लगाये गये स्वास्थ्य शिविर में दी जा रही स्वास्थ्य सुविधायें एवं उपलब्ध दवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने बच्चों के शिक्षा के लिये की गयी व्यवस्था का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों से भी दी जा रही सुविधाओं तथा बाढ़ की स्थिति के संदर्भ में बातचीत की। मुख्यमंत्री ने राजकीय मध्य विद्यालय मेहदावा मनेर में लगाये गये बाढ़ राहत शिविर में बच्चों को दी जा रही शिक्षा तथा बाढ़ पीड़ितों के लिये बनाये जा रहे भोजन का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने बलदेवा हाई स्कूल दानापुर एवं बालिका विद्यापीठ में चल रहे बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण किया। मनेर के शेरपुर में मुख्यमंत्री ने गंगा नदी के जलस्तर का भी जायजा लिया।

आज अपराह्न में मुख्यमंत्री ने दीदारगंज के बाजार समिति में वैशाली जिला के राघोपुर के लिये बनाये गये राहत शिविर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने बाढ़ राहत शिविर में लोगों के लिये की गयी व्यवस्था के संदर्भ में विस्तृत जानकारी जिलाधिकारी वैशाली से ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ राहत कार्य के लिये बनाये गये एस0ओ0पी0 के अलावा भी अगर लोगों के लिये व्यवस्था करना है तो उसका फैसला कर लीजिये। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों के लिये कम्युनिटी किचेन चलाने का निर्देश दिया। राहत शिविर में पर्याप्त संख्या में पुरूष एवं महिला के लिये अलग–अलग शौचालय हो। शिविर में आये पीड़ितों को भोजन के लिये थाली, लोटा, कटोरा, ग्लास उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री राहत कोष से किया जायेगा भुगतान। बाढ़ राहत कैम्प में जन्म लेने वाले लड़के को 10 हजार रूपये एवं लड़की को 15 हजार रूपये की मदद देने का मुख्यमंत्री ने दिया निर्देश। राहत शिविर में बनाये गये स्वास्थ्य केन्द्र का भी निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने आदर्श मध्य विद्यालय घोसवरी में चलाये जा रहे बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण किया। राहत शिविर में आये लोगों को बर्तन एवं न्यूनतम वस्त्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। महिलाओं को वस्त्र के साथ सैनेटरी नैपकिन भी दिया जाय। पुरूषों को गमछा भी दिया जाय। बच्चों को भी पोशाक दिया जाय। मुख्यमंत्री ने लोगों के आवागमन में लगाये गये नावों की संख्या की भी समीक्षा की, साथ ही निर्देश दिया कि आवागमन में लगाये गये नावों की सेवा निःशुल्क हो। पशुचारा की उपलब्धता की समीक्षा के क्रम में मुख्यमंत्री ने पशुओं

के लिये सूखा चारा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने राजकीय मध्य विद्यालय अथमलगोला एवं श्रीगणेश उच्च विद्यालय बख्तियारपुर में चलाये जा रहे बाढ़ राहत शिविर का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों से बातचीत की तथा बाढ़ की स्थिति के संबंध में तथा राहत कार्यों के बारे में भी जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर में गंगा नदी के जलस्तर का जायजा लिया। साथ ही बख्तियारपुर के सबनीमा गॉव का भ्रमण कर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री के निरीक्षण के दौरान जल संसाधन मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री पी0के0 ठाकुर, प्रधान सचिव जल संसाधन श्री अरूण कुमार सिंह, प्रधान सचिव आपदा प्रबंधन श्री ब्यासजी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चन्द्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष वर्मा, पुलिस महानिरीक्षक श्री नैयर हसनैन खान, पुलिस उप महानिरीक्षक श्री शालिन, जिलाधिकारी पटना श्री संजय अग्रवाल, वरीय पुलिस अधीक्षक पटना श्री मनु महाराज सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त मनेर के निरीक्षण के दौरान विधायक भाई विरेन्द्र, बख्तियारपुर के निरीक्षण के दौरान विधान पार्षद श्री नीरज कुमार भी उपस्थित थे।

******